University in News on 24 August 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

लविवि में रक्तदान अभियान शुरू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के ओएनजीसी बिल्डिंग में मेगा ब्लड डोनेशन शिविर का आयोजन शनिवार को हुआ। डीन स्टूडेंट वेलफेयर, हैप्पी थिंकिंग लैब और काउंसिलिंग व गाइडेंस सेल व ब्रह्माकुमारी संस्थान की ओर से आयोजित कैंपेन का शुभारंभ कुलपति प्रोफेसर मनुका खन्ना ने रक्तदान कर किया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर वीके शर्मा, ओएनजीसी बिल्डिंग के निदेशक प्रोफेसर राजीव मनोहर, हैप्पी थिंकिंग लैब की निदेशक प्रोफेसर मैत्रेयी प्रियदर्शनी, काउंसिलिंग एंड गाइडेंस सेल की निदेशक प्रोफेसर वैशाली सक्सेना, प्रोफेसर कुसुम यादव भी इस अभियान में शामिल हुई। (संवाद)

भावी उद्यमियों ने रखे विचार

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में एंटरप्रेन्योरशिप सेल ने छात्रों में नवाचार, सृजनात्मकता और उद्यमशीलता की सोच को बढ़ावा देने के लिए निर्माण 1.0 का आयोजन किया। इसमें लखनऊ विश्वविद्यालय, एमिटी यूनिवर्सिटी, बीबीडी यूनिवर्सिटी, एसआरएम यूनिवर्सिटी और डीएआईटी कानपुर के उभरते हुए उद्यमियों ने भाग लिया। निर्णायक मंडल में डॉ. सिद्धार्थ सिंह, डॉ. रचना पाठक, डॉ. रोहित श्रीवास्तव और इंजीनियर हिमांशु कुमार शुक्ला ने रचनात्मक सुझाव दिए। (संवाद)

टैगोर पुस्तकालय का किया भ्रमण

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय व संबद्ध कॉलेजों के छात्रों ने विश्वविद्यालय में स्थापित टैगोर पुस्तकालय का शनिवार को भ्रमण किया। मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. अर्चना शुक्ला ने बताया कि विवि की मानद लाइब्रेरियन प्रो. केया पांडेय की उपस्थिति में छात्रों को यह समझने का मौका मिला कि कैसे एक ऐतिहासिक संस्थान भविष्य को गले लगा रहा है। (संवाद)

नाटक सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं

लखनऊ। लखनऊ विवि के अभिनवगुप्त संकाय में शनिवार को अभिनव नाट्य कार्यशाला का आयोजन हुआ। इसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने शामिल होकर नाट्य विषय में जानकारी और प्रशिक्षण हासिल किया। भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मांडवी सिंह ने कहा कि नाटक न केवल मनोरंजन का साधन है बल्कि इससे समाज का अभ्युदय भी होता है। संकायाध्यक्ष प्रो. भुवनेश्वरी भारद्वाज व कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने अभिनवगुप्त के सर्वसमावेशी दर्शन को सामाजिक समरसता और एकता के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 8

छात्रों को नाट्य मुद्रा की तकनीक बताई

लखनऊ। एलयू स्थित अभिनव गुप्त संकाय में अभिनव नाट्य कार्यशाला का आयोजन हुआ। इसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने शामिल होकर नाट्य विषय में जानकारी और प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसका शुभारंभ मुख्य अतिथि भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मांडवी सिंह ने किया। उन्होंने नाट्य के व्यावहारिक महत्व पर कहा कि नाट्य न केवल मनोरंजन का साधन है, अपितु इससे व्यक्ति और समाज का अभ्युदय भी हो सकता है।

सारस्वत अतिथि डॉ. आरती नाटू ने अभिनव गुप्त की रचनाओं पर बात करते हुए नाट्य मुद्राओं की विधा और तकनीक बताई। संकायाध्यक्ष प्रो. भुवनेश्वरी भारद्वाज ने बताया कि यूनेस्को वर्ल्ड मेमोरी रजिस्टर में नाट्यशास्त्र और भगवत गीता को शामिल किया गया है। इन दोनों ग्रंथों पर अभिनव गुप्त ने अपनी प्रसिद्ध टीकाएं लिखी हैं। अभिनव गुप्त के विचार विकसित भारत, समृद्ध भारत और सशक्त भारत के लिए चिंतामणि मंत्र सिद्ध हो सकते है। इस दौरान कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने अभिनव गुप्त के सर्वसमावेशी दर्शन को सामाजिक समरसता और एकता के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। उन्होंने कहा कि अभिनव गुप्त संकाय को भारतीय ज्ञान परम्परा के उत्कृष्ट केंद्र के रूप में विकसित किए जाने की दिशा में प्रयास किया जाएगा। डॉ. गौरव सिंह व कविता समेत विवि के पदाधिकारी, शिक्षक व विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

■ डॉ. आरती नाटू समेत विशेषज्ञ मौजूद रहे

एलयू स्थित अभिनव गुप्त संकाय में नाट्य कार्यशाला शनिवार को हुई। कार्यशाला में वक्ताओं ने अपने विचार रखे।

एलयू में 10 सितंबर तक नहीं मिलेगा अवकाश

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में 68वें दीक्षांत समारोह के तहत एक से 10 सितंबर तक किसी भी शिक्षक या कर्मचारी को अवकाश नहीं मिल सकेगा। इस संबंध में कुलसचिव की ओर से आदेश जारी कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा का कहना है कि कुलपति के निर्देश पर पत्र जारी किया गया है।

टैगोर पुस्तकालय देखकर मंत्रमुग्ध हुए छात्र

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग ने अपने और संबद्ध कॉलेजों के छात्रों को टैगोर व साइबर पुस्तकालय का दौरा करया। मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. अर्चना शुक्ला की अगुवाई में छात्रों ने सबसे पहले टैगोर पुस्तकालय की कार्यप्रणाली को समझा। यहां मानद लाइब्रेरियन प्रोफेसर केया पांडेय ने बताया कि अब पुस्तकालय पूर्णतया आधुनिक हो गया है।

i-NEXT PAGE 6

एलयू में ब्लड डोनेशन कैंप लगा

LUCKNOW (23 Aug): लखनऊ विश्वविद्यालय के ओएनजीसी बिल्डिंग में "मेगा ब्लड डोनेशन कैंपेन" का आयोजन डीन स्टूडेंट वेलफेयर, हैप्पी थिंकिंग लैब, काउंसिलिंग एंड गाइडेंस सेल एवं ब्रह्माकुमारी संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में किया गया.

JAGRAN CITY PAGE III

'सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं है नाट्य'

जासं ● लखनऊ : 'नाट्य न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि इससे व्यक्ति और समाज का अभ्युदय भी हो सकता है।' यह विचार भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मांडवी सिंह ने शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के अभिनवगुप्त संकाय में आयोजित अभिनव नाट्य कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में कही। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों ने शामिल होकर नाट्य के विषय में जानकारी एवं प्रशिक्षण प्राप्त किया। लवि की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने कहा कि अभिनवगुप्त संकाय को भारतीय ज्ञान परम्परा के उत्कृष्ट केंद्र के रूप में विकसित किए जाने की दिशा में प्रयास किया जाएगा। प्रो. भुवनेश्वरी भारद्वाज ने बताया कि यूनेस्को वर्ल्ड मेमोरी रजिस्टर में नाट्यशास्त्र तथा भगवद्गीता को शामिल किया गया है। इन दोनों ग्रंथों पर अभिनवगुप्त ने अपनी प्रसिद्ध टीकाएं लिखी हैं। इसी उपलब्धि के परिप्रेक्ष्य में अभिनव नाट्य कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

लवि : शिक्षकों व विद्यार्थियों ने किया रक्तदान

जासं ● लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के ओएनजीसी बिल्डिंग में "मेगा ब्लड डोनेशन कैंपेन" का आयोजन डीन स्टूडेंट वेलफेयर, हैप्पी थिंकिंग लैब, काउंसिलिंग एंड गाइडेंस सेल एवं ब्रह्माकुमारी संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इसका शुभारंभ कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने रक्तदान के साथ किया। शिविर में प्रो. वीके शर्मा, प्रो. राजीव मनोहर, प्रो. मैत्रेयी प्रियदर्शनी, प्रो. वैशाली सक्सेना सहित अन्य शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने रक्तदान किया।

विद्यार्थियों ने किया टैगोर पुरस्तकालय का दौरा

जासं ● लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग ने शनिवार को कैंपस और कालेजों के विद्यार्थियों के लिए एपुस्तकालय दौरे का आयोजन किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने पुस्तकालय की भव्यता देखी और कार्यप्रणाली समझी। छात्र-छात्राओं ने पुस्तकालय के दुर्लभ पांडुलिपियों के संग्रह और 1000 साल पुराने कलाकृतियों को भी देखा। इस अवसर पर मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. अर्चना शुक्ला, मानद लाइब्रेरियन प्रो. केया पांडे, उप लाइब्रेरियन डा. ज्योति मिश्रा उपस्थित रहीं।

TOI PAGE 4

Where Ganga-Jamuni tehzeeb is a way of life

Prof Aroop Chakravarti

Lucknow has always been more than just a city. It is a living museum of *tehzeeb* — a place where grace, courtesy and harmony blend seamlessly to form what the world revers as Ganga-Jamuni culture.

The phrase denoting composite culture itself draws from the confluence of the Ganga and Yamuna. Two rivers with their own journey and colour, yet when they meet at the Sangam, they do so without losing their identity. That coming together and glorifying every culture — distinct yet united — defines Lucknow.

It was under the Nawabs of Awadh that this composite tradition found true patronage. When Nawab Asaf-ud-Daula shifted his capital from Faizabad to Lucknow, the place was little more than a large village. But soon, the city began to glow in art, architecture, cuisine and culture, especially as the Mughal empire waned and regional powers, including Awadh, rose.

Photo: Sunil Kumar

Before the advent of western civilization, Lucknow even eclipsed Delhi in the richness of its culture.

Awadh's capital blossomed, creating a unique identity — part metropolitan in vision, yet holding onto the peace and calm of a small town.

Walk through the lanes and by-lanes of Lucknow and you will see its syncretic soul. Imambaras, temples, mosques, gurdwaras and churches stand not as separate markers, but as part of one cultural rhythm. The morning *azaan* from mosques, conch shells in temples, *shabad kirtan* in gurdwaras, and hymns from churches—all rise together, creating a spiritual symphony.

This is the charm of Ganga-Jamuni *tehzeeb* — each faith respected, and each tradition celebrated.

Lucknow's cuisine too has the aroma of this cultural blend. The rich flavours of Awadhi food are the result of Mughal influences interwoven with the taste of local tradition. From *kebab*s and *biryani*s to *mithai* that travelled across the world, Lucknow's kitchens tell their own story of fusion.

Beyond food, art and monuments, Pan-Indian ideas, customs and culture lie deeply embedded in the city's inclusive culture.

As Lucknow celebrates 250 years of its becoming the capital for the first time, its charm captivates outsiders and residents alike. Connoisseurs of art and culture once flocked here, and they continue to do so.

Even under colonial strain, the city never forgot its tenderness. Its *tehzeeb* remained intact, offering a lesson in grace even in adversity

What sets Lucknow apart is its politeness and etiquette. The famed tradition of *pehle aap* is not just politeness — it is a way of life. Lucknowites perfected *takalluf* (courteous formality), where every other person is "first" and a gentle *khair* (a word for gently agreeing to disagree) replaces the blunt *nahin* (no).

Even under colonial strain, the city never forgot its tenderness. Its *tehzeeb* remained intact, offering a lesson in grace even in adversity.

From close corners to distant lands, echoes of Lucknow's Ganga-Jamuni *tehzeeb* have travelled far and wide.

Lucknow's magic lies in its ability to embrace change without losing essence — a city where heritage breathes alongside modernity, and where culture is not a relic but a living experience.

(The writer is the former head of the department of medieval and modern history, University of Lucknow)

VoL PAGE 6

लविवि में हुआ मेगा ब्लड डोनेशन कैंपेन

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि के ओएनजीसी बिल्डिंग में मेगा ब्लड डोनेशन कैंपेन का आयोजन डीन स्टूडेंट वेलफेयर, हैप्पी थिंकिंग लैब और काउंसलिंग एंड गाइडेंस सेल एवं ब्रह्माकुमारी संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस मेगा ब्लड डोनेशन कैंपेन का शुभारंभ लखनऊ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर मनुका खन्ना ने रक्तदान के साथ किया। इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. वीके शर्मा, ओएनजीसी बिल्डिंग के डायरेक्टर प्रो. राजीव मनोहर, हैप्पी थिंकिंग लैब की डायरेक्टर प्रो. मैत्रेयी प्रियदर्शनी एवं काउंसलिंग एंड गाइडेंस सेल की डायरेक्टर प्रो. वैशाली सक्सेना, प्रो. कुसुम यादव, डॉ. संगीता श्रीवास्तव, डॉ. नीरज कुमार मिश्रा आदि ने रक्तदान कर इस कार्यक्रम को प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम में भारी संख्या में छात्र एवं छात्राओं ने भी रक्तदान किया।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

सिर्फ मनोरंजन का साधन ही नहीं, व्यक्ति व समाज का अभ्युदय भी कर सकता है नाट्य : प्रो. मांडवी

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभिनव गुप्त संकाय में अभिनव नाट्य कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने सम्मिलित होकर नाट्य के विषय में जानकारी एवं प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम का प्रारम्भ दीप प्रज्वलन एवं स्वस्तिवाचन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मांडवी सिंह ने नाट्य के व्यावहारिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नाट्य न केवल मनोरंजन का साधन है, अपितु इससे व्यक्ति का, समाज का अभ्युदय भी हो सकता है। लखनऊ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने अभिनवगुप्त के सर्वसमावेशी दर्शन को सामाजिक समरसता तथा एकता के लिए अत्यंत उपयोगी वताया।

लविवि में टैगोर पुस्तकालय का दौरा कर छात्रों ने जाना इतिहास और प्रौद्योगिकी

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में शनिवार को अपने और संवद्ध कॉलेजों के छात्रों के लिए पुस्तकालय दौरे का आयोजन किया गया। दौरे ने छात्रों को विश्वविद्यालय के मुख्य पुस्तकालय, टैगोर पुस्तकालय के समृद्ध इतिहास को जानने के साथ-साथ इसके साइवर पुस्तकालय की आधुनिक प्रगति को भी समझने का अवसर प्रदान किया। दौरे में टैगोर पुस्तकालय की भव्यता को प्रदर्शित किया गया, जो ज्ञान का एक ऐसा भंडार है जिसका अपना एक समृद्ध इतिहास है। कई छात्रों के लिए इस दौरे का सवसे खास हिस्सा पुस्तकालय के दुर्लभ पांडुलिपियों के संग्रह और 1,000 साल पुरानी कलाकृतियों को भी देखना था, जिन्हें सावधानीपूर्वक संरक्षित किया गया है, ताकि आने वाली पीढ़ियों के विद्वानों के लिए उनकी लंवी उम्र और पहुंच सुनिश्चित हो सके।

AMRIT VICHAR PAGE 8

टैगोर पुस्तकालय का छात्रों ने किया दौरा

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग ने शनिवार को अपने और संबद्ध कॉलेजों के छात्रों के लिए एक आकर्षक और ज्ञानवर्धक पुस्तकालय दौरे का आयोजन किया। इस दौरे ने उन्हें विश्वविद्यालय के मुख्य पुस्तकालय, टैगोर पुस्तकालय के समृद्ध इतिहास को जानने के साथ-साथ इसके साइबर पुस्तकालय की आधुनिक प्रगति को भी समझने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया। इस अवसर पर मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. अर्चना शुक्ला और मानद लाइब्रेरियन प्रो. कीया पांडे सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

नाट्य प्रस्तुति के दौरान कुलपति प्रो. मनुका खन्ना व अन्य।

समृद्ध भारत का आधार बन सकता हैं अभिनवगुप्त के विचार

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के अभिनवगुप्त संकाय में अभिनव नाट्य कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने सम्मिलित होकर नाट्य के विषय में जानकारी एवं प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम का प्रारम्भ दीप प्रज्वलन एवं स्वस्तिवाचन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मांडवी सिंह ने नाट्य के व्यावहारिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नाट्य न केवल मनोरंजन का साधन है, अपितु इससे व्यक्ति का, समाज का अभ्युदय भी हो सकता है। लखनऊ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने अभिनवगुप्त के सर्वसमावेशी दर्शन को सामाजिक समरसता तथा एकता के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।